



第一卷

中国共产党宜宾历史

1919—1949

中共宜宾市委党史研究室 著

中共党史出版社

中国共产党宜宾历史

第一卷

中共宜宾市委党史研究室 著

尹德宏 主编

中共党史出版社

2005年·北京

图书在版编目 (CIP) 数据

中国共产党宜宾历史第 I, 1919~1949 年/中共宜宾市委党史研究室编。
—北京: 中共党史出版社, 2005.0-9

I. 中… II. 中… III. 中国共产党—地方组织—史料—宜宾市
—1919~1949 IV. D235.713

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2005) 第 077052 号

书 名: 中国共产党宜宾历史 (第一卷)

编 者: 中共宜宾市委党史研究室

责任编辑: 袁 尉

出版发行: 中共党史出版社

社 址: 北京市海淀区芙蓉里南街 6 号院 1 号楼

邮 编: 100080

经 销: 新华书店

印 刷: 四川省宜宾凤凰印刷包装有限公司

开 本: 大 32

字 数: 265 千字

印 张: 11

印 数: 1—1000

版 次: 2005 年 9 月第 1 版

印 次: 2005 年 9 月第 1 次印刷

ISBN 7—80199—272—5 / K · 210

定 价: 68.00

此书如有质量问题, 请与中共党史出版社发行部联系。

电话: 010-82517249 82517244



1926年11月12日，中共宜宾特支协助国民党左派县党部在谢将军祠办起了中山学校，帮助被校方开除后失学的进步青年继续就读

解維哲	二十七	宜賓	教員	文	成都師範大學畢業	本城
雷木涵	二十五	宜賓	教員	文	成都師範大學畢業	本城
陳慶興	二十五	宜賓	教員	文	成都師範大學畢業	本城
鄧則龍	二十五	宜賓	教員	文	成都師範大學畢業	本城
尹伯明	二十五	宜賓	教員	文	成都師範大學畢業	本城
朱葆容	孝田	宜賓	教員	文	成都師範大學畢業	本城
嚴孟	宜賓	教員	文	成都師範大學畢業	本城	

鄧文陸	宜賓	訓育主任	成都師範大學畢業	宜賓大基口
賴星周	悟莊	宜賓	教員	成都測景局畢業
唐英	羅奇	宜賓	庶務	教府驗聯合中學畢業
江左才	二十三	同	教員	上海清政大學經濟系畢業
張福培	南溪	教員	學	北京中國大學畢業
王葆初	宜賓	教員	圖書	
鄭佑之	三十四	同	庶務	留學五年

觀音鎮轉音	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓	宣賓</
-------	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	------

川南中山学校部分教职员名录



宜宾大什字旧貌

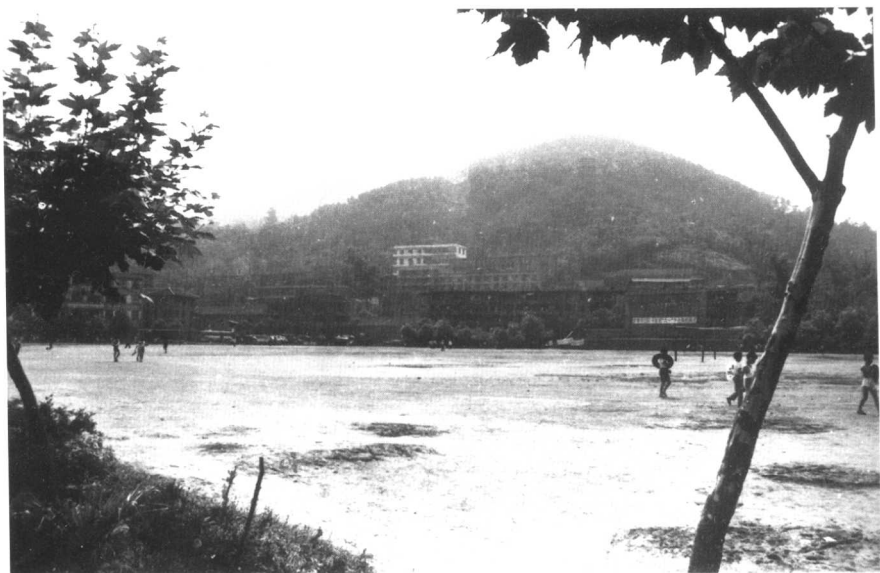
1928年3月17日、19日，共产党员李筱文、李家勋先后被宜宾城防司令覃筱楼杀害于大什字



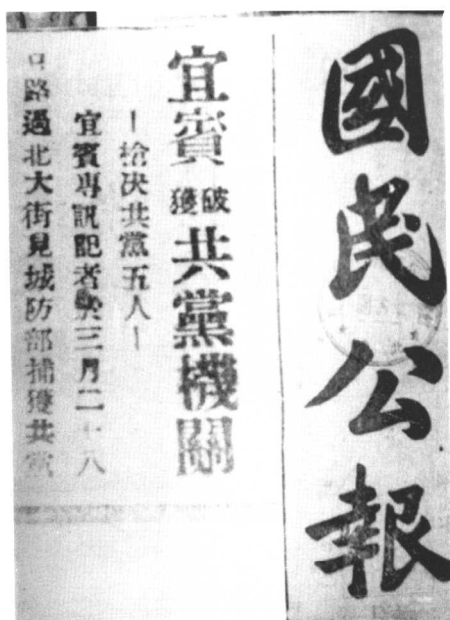
李筱文



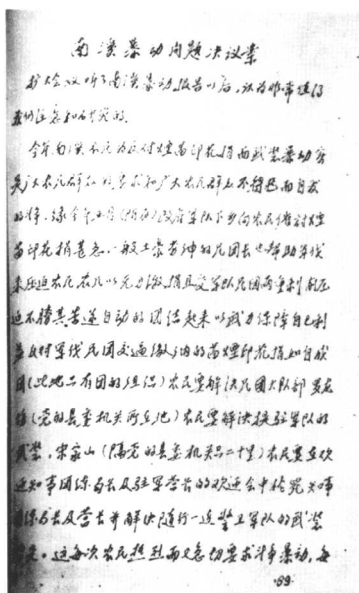
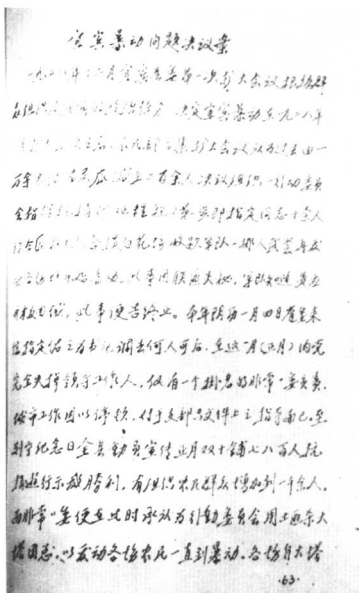
李家勋



1931年3月26日，省委特派员苟良歌、宜宾中心县委书记孔方新、团委书记蔡涛、县委秘书长沈玉琪、县农运委员黄大舜在开会时不幸被捕，惨遭杀害，同穴掩埋于花园庵(今宜宾市广场口)



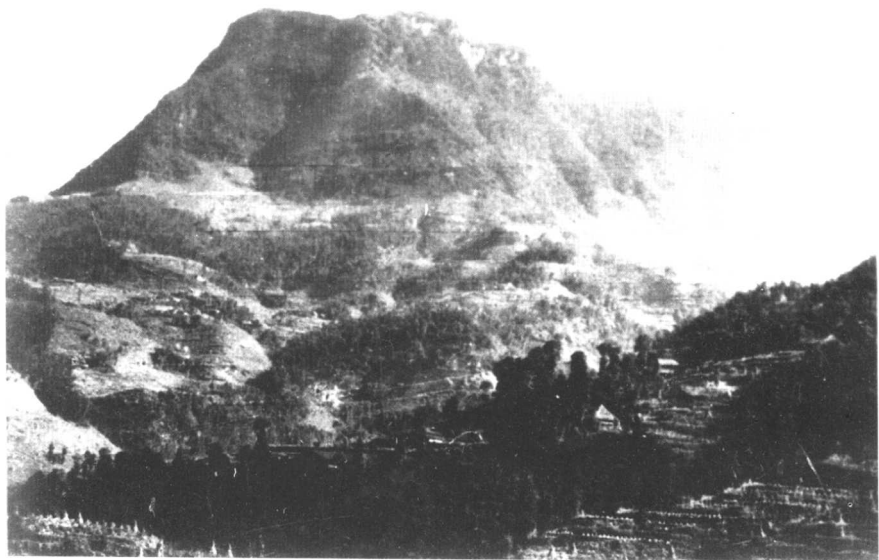
这是重庆《国民公报》对『五人堆』事件的报道



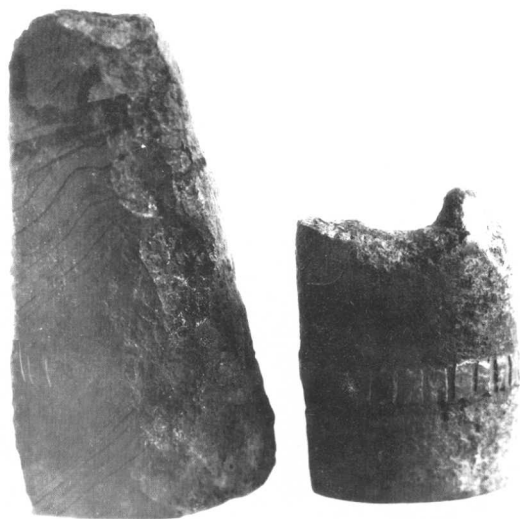
1928年9月中共川南特委扩大会议通过的决议案



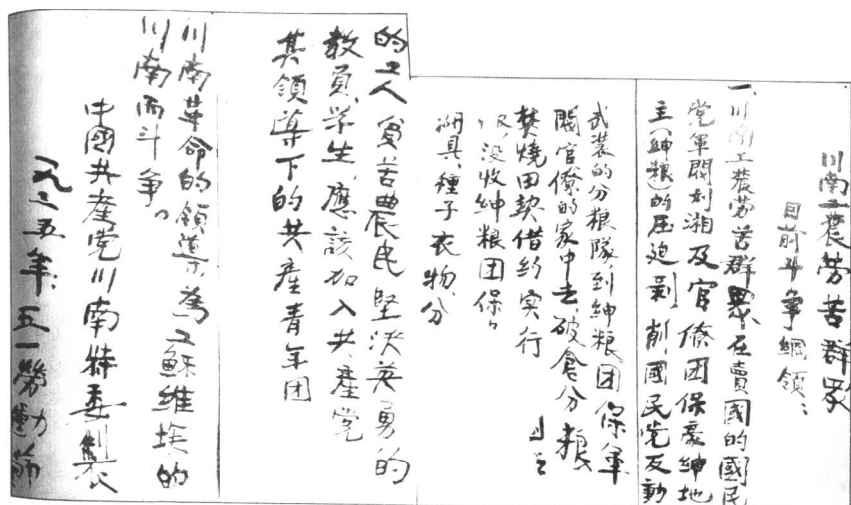
1988年4月7日是南溪农暴60周年纪念日，图为当年参加“农暴”的部分老人合影



凌霄山，位于兴文、长宁、珙县交界处。三面峭壁，易守难攻。1930年2月1日王泽嘉、袁敦厚率四路红军游击队180多人，以此为根据地，坚持了最为艰苦的斗争



这是敌军围剿凌霄山时，使用的开花炮弹和迫击炮弹



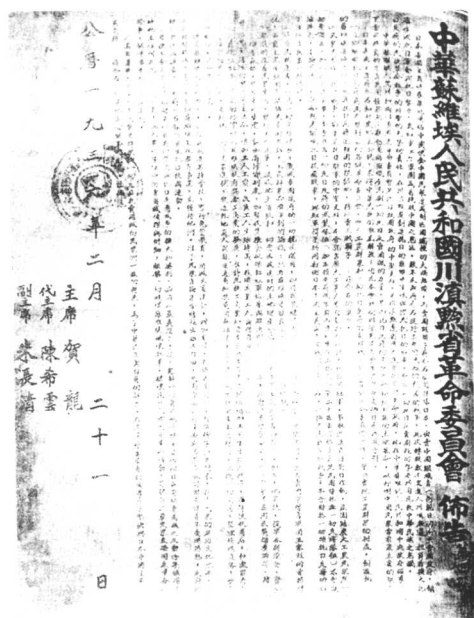
1935年5月1日，中国工农红军川南游击纵队庆祝国际劳动节，并宣布川南特委制定的《川南工农劳苦大众目前斗争纲领》，这是女红军阙思颖(甘棠)书写在老百姓墙上的《川南工农劳苦大众目前斗争纲领》



中国工农红军川滇黔边区游击纵队政治部的印章



1936年2月6日，川滇黔特委和游击纵队在兴文县洛柏林的石匠田召开扩大会议



这是游击队自己制造使用的手榴弹

川滇黔省革命委员会发布的布告



1937年七七事变后，江安县抗日救亡团体向群众宣传时高呼口号



1937年冬，在中共宜宾党组织的领导下，成立了“宜宾抗战剧团”。这是“宜宾抗战剧团”部分团员合影

抗民族统一战线提纲：

一、统一战线的客观条件

九一八事变后，中日由于各帝国主义间的对立竟而为中国受其夹攻的对立，表现于口内的即民族危机超过了社会内部的危机，说明了民族利益超过阶级利益，为了要求社会解放，需要民族斗争，民族斗争与阶级斗争也分不开。

二、中共为抗日民族统一战线而斗争的过去与现在

九一八事变发生主张对日抗战

九一八事变发生抗日协定三条件

（一）立即停止进攻苏区和红军
（二）给人民民主权利（三）给苏维埃政权抗日自由
（四）武装人民作为抗日军

在这三个条件下，我们同国民党合作抗日，结果稍有军事上的胜利，九路军和福建人民政府，但结果还是失败。

3、1935年李维汉中央政府与军事委员会又发出抗日救国的宣言，并下对日作战现款命令，结果仍然是失败。

4、1935年中共中央在八一宣言中决议的具体方法，得到全民族各阶层的拥护，上海发生了救国会领导民族运动，自一九三六年学生运动，抗战工作走入新阶段。

5 在中日政治

决定要人的

解决通判 实现了口内和平统一花田

确定了基础

对二前接党的任务书是

争取口内和平统一花田对日抗战

停止内战 一致抗日

6 党中央致口内第三中全会的提出了五项要求

（一）停止内战

（二）民主自由

（三）召集国民大会

（四）迅速准备抗战

（五）改善人民生活

同时并提出了四项保证：

（一）拥护推翻政府的方向

（二）改善维埃为特区政府受中共政府领导以红军

为口内革命的领导口内政府军事委员会之指挥

（三）停止没收土地

（四）在特区内实行农民的民主制

口内部分的建设，要求中共保证。

在中共领导下的中心任务

（五）停止内战，实现抗战

（六）在抗战中实现抗战，实现中共中心任务，实现抗战到底而胜利。

种困难的根本原因与一、为民族利益不要求民族斗争
（一）口内的
A 日寇的疯狂进攻和和平的抵抗
B 日寇的疯狂进攻和和平的抵抗
C 日寇的疯狂进攻和和平的抵抗

（二）口内的
A 日寇的疯狂进攻和和平的抵抗
B 日寇的疯狂进攻和和平的抵抗
C 日寇的疯狂进攻和和平的抵抗

党
廖符县委印 1938.9

1938年9月，中共庆符县委印发的党员学习材料



日军飞机1939年12月19日(民国廿八年农历11月)轰炸宜宾菜坝机场



1949年12月11日，宜宾各界人民群众游行庆祝宜宾解放

叙泸警备司令部
 增能保
 钧速办
 代
 无司令郭 沁魂
 草才署雷坊路呈照供存
 叙泸警备司令部
 增能保
 钧速办
 代
 无司令郭 沁魂
 草才署雷坊路呈照供存

1949年12月12日叙泸警备司令部向各县发出的(代电)

客用解

馬軍統領印

李商隐

四川省第六區行政督察專員公署

伯
辛公政指事
隆副政總安員
韓允龍每切瞻
引龍領
旌麾彌展
紀律嚴明
指揮若定
膺貳司自
任肩累辭
黃軍西上
順人

四川省第六區

中國人民解放軍司令部
人自當速返歸農從事生產事業以觀
威名立於茲矣茲為百姓代表留調
餘報敗
敵前而程惆悵藉貯
劉劉施仍
劉至馬有光贈伏維
恩然之而此致叩
此致

四川省第六区行政督察专员兼保安司令彭焕章(民盟成员)就和平解放一事致刘伯承、邓小平、张际春的信



卢德铭



李硕勋



余泽鸿



刘 华



孙炳文



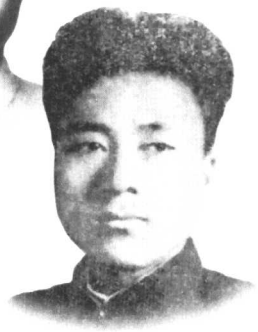
郑佑之



赵一曼



张锡龙



郭伯和



秦青川

宜宾籍部分英烈